Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
January-June 2024 5(1), 1228–1231

शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के जोखिम लेने वाले व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन

अतुला बासु[1], डॉ सुषमा दुबे शोध[2]

[1]शोधार्थी, व्याख्याता, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सुहेला सिमगा, बलौदाबाजार, छत्तीसगढ़
[2]शोध निर्देशक, सहायक प्राध्यापक (शिक्षा), श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी, भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i6.2024.4095

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

ABSTRACT

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के जोखिम लेने वाले व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। इसका उद्देश्य स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के जोखिम लेने वाले व्यवहार का अध्ययन करना है। इसके लिए न्यादर्श के रूप में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के शासकीय महाविद्यालय से 30 विद्यार्थी तथा अशासकीय महाविद्यालय से 30 विद्यार्थियों का चयन किया गया। जोखिम लेने वाले व्यवहार को मापने के लिए डॉक्टर के. पी. निंबलकर एवं डॉ आर. डी. हडोले द्वारा निर्मित रिस्क टेकिंग इन्वेंटरी का उपयोग किया गया। इस शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। इस शोध में सांख्यिकी विश्लेषण हेतु टी परीक्षण का प्रयोग किया गया। शोध अध्ययन के परिणाम में शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई अंतर नहीं पाया गया। शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

Keywords: विद्यार्थी, महाविद्यालय, जोखिम लेने वाला व्यवहार

1. प्रस्तावना

वर्तमान में जीवन में अनेक अनिश्चितताएं हैं। जब वह विद्यालय से महाविद्यालय में प्रवेश लेते हैं तब उन्हें एक नए विद्यार्थी जीवन के साथ नई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विद्यार्थी अपने अध्ययन के साथ संतुलन बनाते हुए इन परिस्थितियों का सामना करते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी उन समस्याओं एवं परिस्थितियों को अपने जोखिम लेने वाले व्यवहार के स्तर के आधार पर हल करते हैं। इस प्रकार प्रत्येक विद्यार्थी के जोखिम लेने वाले व्यवहार भिन्न–भिन्न स्तर के होते हैं।

2. शोध अध्ययन का औचित्य

वर्तमान में युवा वर्ग बदलते परिवेश के कारण जैसे मीडिया, शैक्षिक प्रतिस्पर्धा एवं जीवन स्तर में अंतर के कारण कई मानसिक उतार–चढ़ाव से गुजरता है। इस कारण वह कई निर्णय लेता है जो जोखिम से भरे होते हैं। अतः विद्यार्थियों को वर्तमान परिस्थिति का सामना करने एवं बनाने हेतु जोखिम लेने वाले व्यवहार का अध्ययन आवश्यक है।

3. अध्ययन का उद्देश्य

शासकीय तथा और शासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के जोखिम लेने वाले व्यवहार का अध्ययन करना।

4. अध्ययन की परिकल्पना

H_{01} शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

H_{02} शासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

H_{03} अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

5. शोध अध्ययन का क्षेत्र एवं परिसीमन

- प्रस्तुत शोध अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले तक परिसीमित है।
- प्रस्तुत शोध अध्ययन दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय तक परिसीमित है।
- प्रस्तुत शोध अध्ययन स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों तक परिसीमित है।
- प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श हेतु 60 विद्यार्थियों का चयन किया गया जिसमें 30 शासकीय महाविद्यालय के तथा 30 अशासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थी हैं।
- प्रस्तुत शोध अध्ययन में शासकीय महाविद्यालय के 15 छात्र एवं 15 छात्राओं को और अशासकीय महाविद्यालय के 15 छात्र एवं 15 छात्राओं को लिया गया।
- प्रस्तुत शोध अध्ययन छात्र एवं छात्राओं के जोखिम लेने वाले व्यवहार तक परिसीमित है।

6. संबंधित साहित्य की समीक्षा

शिकारी, मोनिका के. एवं अन्य (2024) ने **''सोशल स्किल्स एंड रिस्क टेकिंग बिहेवियर अमोंग प्रॉब्लमैटिक और नॉर्मल इंटरनेट यूजर्स इन मिडल एंड लेट एडोलिसेंस''** पर अध्ययन किया। इस शोध अध्ययन का उद्देश्य समस्या ग्रस्त एवं सामान्य इंटरनेट उपयोग करने वाले किशोरावस्था एवं किशोरावस्था के अंतिम पड़ाव पर विद्यार्थियों की जोखिम लेने वाले व्यवहार के आयामों की तुलना एवं अध्ययन करना।निष्कर्ष में पाया गया कि किशोरावस्था वाले एवं किशोरावस्था के अंतिम पड़ाव वाले छात्रों के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। विद्यार्थियों की सामाजिक कौशल एवं जोखिम लेने वाले व्यवहार के मध्य नकारात्मक सह संबंध पाया गया।

के, सविता एवं अन्य (2022 ने ''अफेक्टिवेनेस ऑफ़ एजूकेशन इंटरवेंशन ओं प्रीवेंशन का रिस्क टेकिंग बिहेवियर अमोंग एडोलिसेंट्स बॉयज'' इस शोध का उद्देश्य चिदंबरम के चयनित कॉलेज में किशोर छात्रों के बीच जोखिम लेने वाले व्यवहार की रोकथाम पर शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन एव मूल्यांकन करना था। यह शोध सर्वेक्षण विधि के द्वारा किया गया। शोध में यह पाया कि 100 प्रतिशत छात्र जोखिम लेने वाले व्यवहार के अंतर्गत आते हैं।

सिंह, गोपाल एवं अन्य (2022) ने ''ए स्टडी ऑफ़ रिस्की बिहेवियर और एस्पिरेशन लेवल का स्टूडेंट स्टडिंग इन सेकेंडरी लेवल'' इस शोध के उद्देश्य माध्यमिक स्तर में अध्यनरत विद्यार्थियों के जोखिम पूर्ण व्यवहार एवं आकांक्षा स्तर का अध्ययन करना था ।यह शोध सर्वेक्षण विधि के द्वारा किया गया। शोध में यह परिणाम पाया कि विद्यार्थियों के जोखिम पूर्ण व्यवहार में सार्थक अंतर है। विज्ञान एवं कला वर्ग के विद्यार्थियों के जोखिम पूर्ण व्यवहार में सार्थक अंतर पाया गया।

7. शोध अध्ययन के चर

जोखिम लेने वाला व्यवहार

8. शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

9. शोध न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए न्यादर्श का चयन छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले में स्थित शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों का किया गया। इन विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया। न्यादर्श के चयन को निम्न तालिका द्वारा दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 1 : न्यादर्श का योजनाबद्ध आरेख

महाविद्यालय				कुल संख्या
शासकीय महाविद्यालय		अशासकीय महाविद्यालय		
छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	
15	**15**	**15**	**15**	**60**

10. शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में जोखिम लेने वाले व्यवहार के मापन के लिए शोधकर्ता ने डॉक्टर के. पी. निंबलकर और डॉक्टर आर. डी. हडोले (2017) द्वारा निर्मित रिस्क टेकिंग इन्वेंटरी का प्रयोग किया गया। इसमें 40 प्रश्न है।

11. सांख्यिकी तकनीक

शोध अध्ययन में माध्य एवं टी– टेस्ट का उपयोग किया गया है।

12. आंकड़ों का विश्लेषण

परिकल्पना क्रमांक 1

H_{01} शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 2

महाविद्यालय	कुल संख्या	माध्य	मानक विचलन	स्वतंत्रता के अंश	**टी मूल्य**	सार्थकता का स्तर
शासकीय	30	12.96	4.28	58	**0.25**	**0.05**
अशासकीय	30	12.7	3.81			

विवेचना

उपरोक्त तालिका क्रमांक 2 की गणना से प्राप्त टी मूल्य का मान 0.25 है। जो सारणी में दिए गए 0.05 सार्थकता स्तर के मूल्य 2. 000 से कम है। दोनों महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के माध्य क्रमषः 12.96 एवं 12.7 है एवं मानक विचलन क्रमषः 4.28 एवं 3.81 है। परिकल्पना क्रमांक 1 शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा में, सार्थक अंतर नहीं पाया गया अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक 2

H_{02} शासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 3

शासकीय महाविद्यालय	कुल संख्या	माध्य	मानक विचलन	स्वतंत्रता के अंश	**टी मूल्य**	सार्थकता का स्तर
छात्र	15	13.8	5.07	28	**0.29**	**0.05**
छात्रा	15	12.13	3.29			

विवेचना

उपरोक्त तालिका क्रमांक 3 की गणना से प्राप्त टी मूल्य का मान 0.29 है। जो सारणी में दिए गए 0.05 सार्थकता स्तर के मूल्य 2.048 से कम है। शासकीय महाविद्यालय के छात्रों एवं छात्राओं के माध्य क्रमषः 13.8 एवं 12.13 है एवं मानक विचलन क्रमषः 5. 07 एवं 3.29 है। परिकल्पना क्रमांक 2 शासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा में, सार्थक अंतर नहीं पाया गया अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक 3

H_{03} अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 4

अशासकीय महाविद्यालय	कुल संख्या	माध्य	मानकविचलन	स्वतंत्रता के अंश	**टी मूल्य**	सार्थकता का स्तर
छात्र	15	12.8	3.93	28	**0.89**	**0.05**
छात्रा	15	12.6	3.83			

विवेचना

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4 की गणना से प्राप्त टी मूल्य का मान 0.89 है। जो सारणी में दिए गए 0.05 सार्थकता स्तर के मूल्य 2. 048 से कम है। अशासकीय महाविद्यालय के छात्रों एवं छात्राओं के माध्य क्रमषः 12.8 एवं 12.6 है एवं मानक विचलन क्रमषः 3.93 एवं 3.83 है। परिकल्पना क्रमांक 3 अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा में, सार्थक अंतर नहीं पाया गया अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

13. शोध निष्कर्ष

शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के मध्य जोखिम लेने वाले व्यवहार में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया ।

14. सुझाव

1. महाविद्यालय के पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व निर्माण, मूल्य, आत्मविश्वास एवं नैतिकता आधारित प्रशिक्षण या सेमिनार होने चाहिए।
2. शिक्षकों को विद्यार्थियों का मेंटर होना चाहिए ताकि वह अपनी समस्याओं को शिक्षकों के अनुभवों की मदद से सही मार्ग एवं सही हल तक पहुंच सके।
3. महाविद्यालय में रैगिंग एवं प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के प्रति अन्य विद्यार्थियों के अनुचित व्यवहार पर रोकथाम हो।
4. महाविद्यालय में भी अभिभावकों से चर्चा परिचर्चा निश्चित होनी चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

संदर्भित पुस्तकें –

भार्गव एवं महेश, आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, भार्गव बुक हाउस (2001)

कपिल, एच.के, सांख्यिकी के मूल तत्व, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा (1994)

शर्मा ,आर. ए., शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व, आर. लाल बुक डिपो, सूर्या पब्लिकेशन मेरठ (1993)

K, Savitha & Anbalagan, Sudha & S., Dr. Jeyalakshmi (2022) Effectiveness of Educational Intervention on Prevention of Risk Taking Behaviour among Adolescent Boys. International Journal of All Research Education & Scientific Methods, Volume 10 Issue 11, November 2022,1512-1519

Shikari,monika k & Dhila,B.D.(2024) Social skills and Risk taking behaviour among problematic and normal internet users in middle and late adolescence.[Doctoral dissertation, Shodhganga@INFLIBNET].http://hdl.handle.net/10603/590396

Singh,Gopal & Siddiqui ,Rizwana (2022) A study of Risky behaviour and Aspiration Level of students studying in secondary Level. http://wwwsocialresearchfoundation.com, Volume - 6,Issue – 11, February – 2022,P: ISSN No.-2394-0344,php#8